

- (१) 'साहित्य की महत्ता' शीर्षक की सार्थकता ।
(२) 'बुढ़ापा' निबंध की भावात्मकता ।

अथवा

- (२) 'संस्कार और भावना' एकांकी का उद्देश्य ।

५ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

१४

- (१) "विकृत भोजन से जैसे शरीर रुग्ण होकर बिगड़ जाता है, उसी तरह विकृत साहित्य से मस्तिष्क भी विकारग्रस्त होकर रोगी हो जाता है । मस्तिष्क का बलवान और शक्तिसम्पन्न होना अच्छे साहित्य पर अवलम्बित है ।"

अथवा

- (१) यौवन सिर्फ काले बालों का नाम नहीं है । यौवन नवीनभाव, नवीन विचार ग्रहण करने की तत्परता का नाम है, यौवन साहस, उत्साह, निर्भयता और खतरे-भरी जिन्दगी का नाम है, यौवन लोक से बच निकलने की इच्छा का नाम है । और सबसे उपर बेहिचक, बेवकूफी करने का नाम यौवन है ।
(२) "अच्छा साहब, अगर आप प्रसन्न हैं, तो मुझे किसी अच्छे मुहल्ले में एक अच्छा-सा मकान दिला दीजिए ।"

अथवा

- (२) "जिन बातों का हम प्राण देकर भी विरोध करने को तैयार रहते हैं, एक समय आता है, जब चाहे किसी कारण से भी हो, हम उन्हीं बातों को चुपचाप स्वीकार कर लेते हैं ।"